वार्षिक पत्रिका
अंक : 18 (2010-2011)

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की - 247 667 (उत्तराखण्ड)

पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

वार्षिक पत्रिका
अंक : 18 (2010–2011)

प्रवाहिनी

पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की – 247 667 (उत्तराखण्ड)

सम्पादक मंडल:

डॉ सुधीर कुमार, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रभारी अधिकारी, प्रलेखन प्रकोष्ठ
डॉ मनमोहन गोयल, वैज्ञानिक एफ
डॉ सुहास खोब्रागडे, वैज्ञानिक ई1
डॉ रमा मेहता, वैज्ञानिक सी एवं राजभाषा प्रभारी
श्री पी. के. उनियाल, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
श्री महेन्द्र सिंह, वैयक्तिक सहायक
श्री राम कुमार, आशुलिपिक
श्री पवन कुमार, आशुलिपिक

कम्पोजिंग:

श्री राम कुमार, आशुलिपिक.

टंकण सहयोग:

श्री महेन्द्र सिंह, वैयक्तिक सहायक
श्री राम कुमार, आशुलिपिक
श्री पवन कुमार, आशुलिपिक

नोट: इस पत्रिका में संकलित विचार लेखकों के अपने हैं, सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है ।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना जरूरी है अदीती कुमार	1-2
2.	भारत में जल उपलब्धता एवं जल गुणवत्ता मुकेश कुमार शर्मा	3-5
3.	महिमामयी जल डॉ. संजय कुमार शर्मा	6
4.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और हिन्दी कमल कुलश्रेष्ठ	7-9
5.	आदर्श समाज एस.एन. पाल	10
6.	समय रामनाथ सिंह	11
7.	लोकतंत्र का सूत्रधार-निर्वाचन आयोग पवन कुमार	12-13
8.	अधिकार एवं कर्तव्य अनुराधा सपरा	14-15
9.	जगत में कोई नहीं परमानैन्ट पंचराम चमोली	15
10.	भूमि अधिग्रहण - एक ज्वलन्त समस्या पंकज कुमार गर्ग	16-21
11.	रोजगार उन्मुख राजभाषा हिन्दी निशा किचलू	22-24
12.	माँ अर्चना गौड	25
13.	देश में जल संकट एवं समाधान (ताजा स्थिति) नरेन्द्र कुमार वार्ष्णेय	26-27
14.	क्या है नारी का अस्तित्व अनीता प्रसाद	28
15.	मानव और पेड़ मीनाक्षी रोड़	29-30
16.	मन के नियमन में है विश्व शांति आत्म प्रकाश	31-32
17.	भक्ति और विश्वास रामनाथ	33-34

18.	पेड़ लगाएं जीवन पाएं ममता मिश्रा	35
19.	पानी की आत्म कथा वन्दना	36
20.	एड्स (AIDS) का दानव: सावधान मानव दीपिका सैनी	37-38
21.	कंप्यूटर जनित कागजी कूड़ा शशिरंजन कुमार	39-41
22.	नसीहत कमल कुलश्रेष्ठ	42
23.	शहरी जल भराव - कारण एवं निवारण तिलक राज सपरा	43-46
24.	सफल और असफल व्यक्ति में अंतर विनेश गोयल	47
25.	सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का महत्व नरेश कुमार	48-49
26.	पर्यावरण के लिए खतरनाक रमा मेहता	50
27.	पतित पावनी मॉ गंगा डॉ. नरेश मोहन	51-53
28.	मेरा भारत महान इफ्तखार उल हसन	54
29.	आत्म दर्शन प्रदीप कांति सरकार	55
30.	जलवायु परिवर्तन 21वीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में अशोक कुमार द्विवेदी	56-62
31.	हिन्दी पखवाडा- 2010 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामों का ब्यौरा	63-64